हिंदी साप्ताहिक

द पब्लिक मैटर

संपादक : जीवन सिंह चपांवत से प्रकाशित PRGI No.UAHIN/26/A5401

● वर्ष - 01 ● अंक-17 ● चपांवत ● सोमवार 19 अक्टूबर 2026 ● पृष्ठ-4 ● मूल्य: 1/- रूपया

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चम्पावत को दी लगभग 96 करोड़ रुपये की 16 विकास योजनाओं की सौगात'

मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस एवं देवभूमि रजत जयंती पार्क का किया लोकार्पण

विकासखंड चम्पावत की प्रत्येक ग्राम सभा को १० लाख रुपये देने की घोषणा, न्याय पंचायतों में बनेंगे सामुदायिक भवन

जिला बार एसोसिएशन में अधिवक्ता चौम्बर, पार्किंग एवं आधुनिक ई-लाइब्रेरी की स्थापना की घोषणा आगामी २५ से ५० वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा आदर्श चम्पावत का विकास : मुख्यमंत्री



द पब्लिक मैटर ब्यूरो

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को चम्पावत में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ नवनिर्मित सर्किट हाउस का लोकार्पण किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने जनपद में लगभग 96 करोड़ रुपये की लागत की 16 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने विभिन्न संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने।

मुख्यमंत्री ने कुल 95 करोड़ 99 लाख 98 हजार रुपये की लागत की 16 विकास योजनाओं की सौगात दी। इनमें 67 करोड़ 24 लाख 36 हजार रुपये की लागत की 11 योजनाओं का लोकार्पण तथा 28 करोड़ 75 लाख 62 हजार रुपये की लागत की 5 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से जनपद में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही स्थानीय लोगों को बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चम्पावत को आदर्श जनपद के रूप में विकसित करना राज्य सरकार का संकल्प है। इसके लिए आगामी 25 से 50 वर्षों की आवश्यकताओं और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास का वास्तविक उद्देश्य आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना तथा उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पावत में सड़क, परिवहन, पार्किंग, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आधारभूत सुविधाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग सहित विभिन्न सड़कों को सुगम बनाया जा रहा है। जनपद में बाईपास, बहुमंजिला पार्किंग एवं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। टनकपुर में निर्माणाधीन आईएसबीटी से परिवहन सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए लगभग 66 करोड़ रुपये की लागत का ड्रेनेज प्लान तैयार किया गया है। इसके साथ ही विद्युत लाइनों को भूमिगत करने तथा दूरस्थ क्षेत्रों में संचार सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पावत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक महत्व और प्राकृतिक सुंदरता इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। राज्य सरकार जनपद में पर्यटन, रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ाने के साथ ही स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाओं को आगे बढ़ा रही है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों, मातृशक्ति, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं, पीआरडी जवानों, मिनिस्टीरियल संवर्ग एवं रोडवेज कर्मचारियों, पशुपालकों, राज्य आंदोलनकारियों, पूर्व सैनिकों तथा सहकारिता से जुड़े प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। उन्होंने सप्तेश्वर/सप्तकोशी परिक्रमा प्रस्तावक समिति तथा मीडिया प्रतिनिधियों से भी संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार का प्रयास है कि विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे।



मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने जिला बार एसोसिएशन, चम्पावत के शपथ ग्रहण समारोह में भी मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन की नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। आम नागरिकों को न्याय दिलाने और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार आमजन को सरल, सुलभ एवं समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनपद की न्याय पंचायतों में सामुदायिक उपयोग के लिए सामुदायिक भवनों के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने जिला बार एसोसिएशन, चम्पावत में अधिवक्ताओं के बैठने के लिए चौम्बर निर्माण, वाहन पार्किंग तथा आधुनिक ई-लाइब्रेरी की स्थापना की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने विकासखंड चम्पावत की प्रत्येक ग्राम सभा को स्थानीय विकास कार्यों के लिए 10 लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। इस धनराशि से ग्राम सभाएं अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप पुस्तकालय, सड़क, आजीविका संवर्धन, आंगनबाड़ी केंद्रों के उन्नयन सहित अन्य जनहितकारी कार्य कर सकेंगी।मुख्यमंत्री ने 1.37 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित देवभूमि रजत जयंती पार्क का भी लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने पार्क में खेल रहे बच्चों को चॉकलेट वितरित कीं तथा स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना।मुख्यमंत्री के चम्पावत आगमन पर सर्किट हाउस हेलीपैड में जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव एवं जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को पुलिस बल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।इस अवसर पर दर्जा प्राप्त मंत्री श्याम नारायण पाण्डेय एवं श्री मुकेश महाराना, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविन्द सामंत, जिला महामंत्री मुकेश कलखुड़िया, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता सतीश चन्द्र पाण्डेय, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा, पूर्व विधायक पूरन सिंह फर्त्याल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पाण्डेय, शंकर दत्त पाण्डेय, निदेशक केएमवीएन रोहित बिष्ट, नामित सदस्य नगर पालिका गौरव पाण्डेय, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, उपजिलाधिकारी बी.सी. पंत, अधिशासी अधिकारी भारत त्रिपाठी सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जीवन सिंह

संपादकीय

छत्तीसगढ़ की शक्तिपीठ परियोजना

पर्यटन एक ऐसी यात्रा या भ्रमण है, जो मनोरंजन या फुर्सत के क्षणों का आनंद उठाने के उद्देश्य से किया जाता है। अतिथि देवो भव: भारतीय परंपरा प्राचीन काल से रही है। छत्तीसगढ़ में लगभग 138 स्थलों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के आधार पर पर्यटन स्थल के रूप में प्राथमिकता दी गई है, जिसमें 58 स्मारकों को 11 अभ्यारण 03 राष्ट्रीय उद्यान को संरक्षित घोषित किया गया है। पर्यटन मानव की प्राचीन एवं मौलिक प्रवृत्ति है। पर्यटन धरातलीय तथा मानवीय विभिन्नताओं विविधताओं का अवलोकन कर ज्ञान की बढ़ोतरी एवं मनोरंजन करता है। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक और सांस्कृतिक पर्यटन का एक प्रमुख गंतव्य है। यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहर ने इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने उत्तराखंड के चार धाम की तर्ज पर राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने के लिए शक्तिपीठ परियोजना की शुरुआत की है। इस परियोजना के तहत लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे आध्यात्मिक और धार्मिक पर्यटन कॉरिडोर का विकास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के प्रमुख शक्तिपीठों एवं महत्वपूर्ण पूजा स्थलों का विकास, सौंदर्याकरण तथा आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं के लिए सुगम पहुंच मार्ग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, विश्राम स्थल एवं सुरक्षा व्यवस्था जैसी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। छत्तीसगढ़ आस्था पथ (शक्तिपीठ भ्रमण) योजना प्रारंभ करने जा रहे हैं, जिसमें पांचों शक्तिपीठों का भ्रमण एवं दर्शन कराया जाएगा, इसके लिए सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में 5 करोड़ का प्रावधान किया है।

मत्स्य तालाब निर्माण एवं सुधार पर 50 से 60 प्रतिशत तक अनुदान, पर्वतीय क्षेत्रों के मत्स्य पालकों को मिलेगा लाभ'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो



मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देशो के क्रम में जनपद में मत्स्य पालन को स्वरोजगार के सशक्त माध्यम के रूप में विकसित करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य उत्पादन बढ़ाने, जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत मत्स्य तालाब निर्माण, पुराने तालाबों के सुधार, मत्स्य बीज संचय तथा बत्तख एवं मुर्गी पालन जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि जनपद के पर्वतीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन की अच्छी संभावनाएं हैं। राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से स्थानीय लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने एवं उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन को बढ़ावा देने से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधन विकसित होंगे। उन्होंने संबंधित विभाग को पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने एवं अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

जनपद मत्स्य प्रभारी अधिकारी त्रिभुवन मौर्या ने योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि मत्स्य बीज संचय कार्यक्रम के अंतर्गत उन्नत प्रजाति की मेजर कार्प एवं विदेशी कार्प मछलियों के फिंगरलिंग आकार के मत्स्य बीज का संचय किया जाता है। इसके तहत मनरेगा से निर्मित तालाबों, अमृत सरोवरों, झीलों तथा जनपद की प्रमुख नदियों लधिया, गौड़ी एवं लोहावती आदि में चिन्हित स्थानों पर मत्स्य बीज संचय एवं संरक्षण का कार्य किया जाता है। इस पहल से प्राकृतिक जल स्रोतों में मत्स्य संपदा के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों में छोटी एवं सीढ़ीदार कृषि जोतों को ध्यान में रखते हुए क्लस्टर आधारित पॉलीलाइनर मत्स्य तालाब निर्माण योजना के अंतर्गत 50, 100, 150 एवं 200 वर्ग मीटर आकार के तालाब बनाए जाएंगे। योजना में 100 वर्ग मीटर के तालाब निर्माण की मानक लागत 1 लाख रूपये निर्धारित है, जिस पर सामान्य वर्ग के मत्स्य पालकों को 50 प्रतिशत अर्थात 50 हजार रूपये तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला लाभार्थियों को 60 प्रतिशत अर्थात 60 हजार रूपये अनुदान दिया जाएगा। क्लस्टर आधारित मत्स्य पालन के लिए मत्स्यजीवी सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों एवं मंगल दलों को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि मत्स्य तालाब सुधार योजना के अंतर्गत विगत तीन वर्षों में निर्मित ऐसे तालाबों, जिन्हें सुधार की आवश्यकता है, तथा प्राकृतिक अथवा दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त मरम्मत योग्य तालाबों का विभागीय मानकों के अनुसार सुधार किया जाएगा। इसके तहत 100 वर्ग मीटर के तालाब सुधार की मानक लागत 70 हजार रूपये निर्धारित है। इस पर सामान्य वर्ग के मत्स्य पालकों को 50 प्रतिशत अर्थात 35 हजार रूपये तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला लाभार्थियों को 60 प्रतिशत अर्थात 42 हजार रूपये अनुदान दिया जाएगा। इससे पुराने एवं क्षतिग्रस्त तालाबों को पुन: उपयोग में लाकर मत्स्य उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि मत्स्य पालकों की आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करने के उद्देश्य से बत्तख बाड़ा एवं मुर्गी बाड़ा निर्माण योजना भी प्रस्तावित है। इसके अंतर्गत पूर्व से मत्स्य पालन कर रहे लाभार्थियों को 20 वर्ग मीटर के बत्तख बाड़ा अथवा मुर्गी बाड़ा निर्माण के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। इसकी मानक लागत 1 लाख 40 हजार रूपये निधारित है, जिस पर सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को 50 प्रतिशत अर्थात 70 हजार रूपये तथा अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को 60 प्रतिशत अर्थात 84 हजार रूपये अनुदान प्रस्तावित है। इससे मत्स्य पालक मछली उत्पादन के साथ बत्तख एवं मुर्गी पालन अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकेंगे।

इसके अतिरिक्त मत्स्य संरक्षण एवं संवर्धन के साथ जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद के प्रत्येक विकासखंड में जनचेतना गोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। इन गोष्ठियों के माध्यम से लोगों को मत्स्य पालन के लाभ, आधुनिक तकनीकों एवं जल संरक्षण के महत्व की जानकारी प्रदान की जाती है।

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार ने कहा कि मत्स्य पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ ही स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर निवास करने वाले पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।जनपद मत्स्य प्रभारी अधिकारी त्रिभुवन मौर्या ने मत्स्य पालन में रुचि रखने वाले किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि इच्छुक लाभार्थी विस्तृत जानकारी एवं आवेदन संबंधी प्रक्रिया के लिए मत्स्य विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

राजकीय विद्यालयों के 10वीं और 12वीं के छात्रा-छात्राओं को टैबलेट हेतु DBT से भेजी जाएगी धनराशि, मुख्यमंत्री धामी की घोषणा पर प्रक्रिया तेज'



द पब्लिक मैटर ब्यूरो

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार राज्य में शिक्षा के स्तर को सुधारने और छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा 18 सितंबर 2026 को जनपद देहरादून में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान एक महत्त्वपूर्ण घोषणा की गई थी। इस घोषणा के तहत राज्य के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं को टैबलेट उपलब्ध कराने हेतु प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से सीधे उनके खातों में धनराशि हस्तांतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय (घोषणा अनुभाग) द्वारा इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करते हुए विद्यालयी शिक्षा विभाग को निर्देश जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 11.43 करोड़ की लागत से संवरेगा चम्पावत का ककरालीगेट–ठूलीगाड–भैरव मंदिर मार्ग'

'सीमांत जनपद चम्पावत को मिली सड़क सौगातः ११.४३ करोड़ की लागत वाले ककरालीगेट–ठूलीगाड–भैरव मंदिर मार्ग निर्माण कार्य को हरी झंडी'

. द पब्लिक मैटर ब्यूरो

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सुदूर क्षेत्रों तक आवागमन को सुगम करने के लिए निरंतर इसी क्रम में केन्द्रीय सड़क अवसंरचना निधि (ब्त्थ्) के मंदिर मोटर मार्ग (राज्य मार्ग–108) के सुदृढ़ीकरण एवं लगभग 18.875 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मार्ग सुध स्वीकृति दी गई है, जिसके सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष है। घ्ककरालीगेट–ठूलीगाड–भैरव मंदिर मार्ग चम्पावत माना जाता है। इस मार्ग के कायाकल्प और सुदृढ़ीकरण स्थानीय निवासियों को आवागमन में अभूतपूर्व सुगमता संचालन में सुरक्षा बढ़ेगी और दुर्घटनाओं की आशंका स्थानीय व्यापार, पर्यटन, और रोजगार के नए अवसरों नई गति प्राप्त होगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए मंदिर मोटर मार्ग क्षेत्र की संपर्क व्यवस्था और जनसुविध संस्था एवं संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी ध्यान रखा जाए।उन्होंने निर्देशित किया कि डामरीकरण किया जाए ताकि आम जनता व श्रद्धालुओं को शीघ्र अति शीघ्र इस सुदृढ़ मार्ग का लाभ मिल सके।



सरकार उत्तराखंड के सीमांत जनपदों में सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और संकल्पबद्ध है।

अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु जनपद चम्पावत की ककरालीगेट– ठूलीगाड–भैरव सुधार कार्यों के लिए वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

ार हेतु राज्य सरकार द्वारा 1143.15 लाख रुपये (11.43 करोड़ रुपये) की हेतु 457.26 लाख रुपये की प्रथम किश्त की धनराशि अवमुक्त कर दी गई जनपद की धार्मिक और पर्यटन संभावनाओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण से पूर्णागिरि धाम एवं भैरव मंदिर आने–जाने वाले लाखों श्रद्धालुओं तथा मिलेगी। मार्ग का सुधारीकरण होने से यात्रा समय में कमी आएगी, वाहनों के में कमी होगी। साथ ही, बेहतर सड़क अवसंरचना के विकास से क्षेत्र में का सृजन होगा, जिससे चम्पावत जनपद के सामाजिक–आर्थिक विकास को जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार ने बताया कि ककरालीगेट– ठूलीगाड– भैरव ाओं के लिए एक अति–महत्वपूर्ण परियोजना है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी किए हैं कि निर्माण व सुदृढ़ीकरण कार्य में गुणवत्ता और मानकों का विशेष व अन्य आवश्यक तकनीकी कार्यों को निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री घोषणा अंतर्गत निर्माणाधीन मीडिया सेंटर का किया स्थलीय निरीक्षण, कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के दिए निर्देश'



द पब्लिक मैटर ब्यूरो

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनपद चंपावत के टनकपुर क्षेत्र के लिए की गई बहुआयामी घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह गंभीर है।

इसी क्रम में गुरुवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार ने . मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत निर्माणाधीन मीडिया सेंटर का स्थलीय निरीक्षण किया और प्रगति का जायजा लिया।

टनकपुर क्षेत्र के विकास को गति देने के उद्देश्य से घोषित इन बहुआयामी योजनाओं में नगर पालिका हेतु कम्युनिटी सेंटर तथा पत्रकार बंधुओं की सुविधा के लिए आधुनिक मीटिंग हॉल, गेस्ट हाउस एवं विशेष कार्यस्थल (स्पेस) निर्माण की कुल 14 करोड़ की लागत की दो प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं।

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार ने बताया कि घोषणा के उपरांत योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रथम चरण में घ करोड़ की धनराशि प्राप्त हो चुकी है, जिसके बाद टेंडरिंग प्रक्रिया समेत सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था एवं ठेकेदारों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक शुक्रवार को इन विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी, जबकि उपजिलाधिकारी टनकपुर को दैनिक आधार पर कार्य की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

उन्होंने अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसी को निर्देशित किया गया है कि वे समस्त निर्माण कार्यों को निर्धारित समय–सीमा से पूर्व ही उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

यह बहुआयामी परियोजना न केवल स्थानीय आमजन के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, बल्कि क्षेत्र के पत्रकार बंधुओं को भी बेहतर कार्य वातावरण एवं सुविधाएं प्रदान करेगी।

निरीक्षण के दौरान विधायक प्रतिनिधि टनकपुर दीपक रजवार, उप जिलाधि कारी टनकपुर श्री प्रमोद कुमार, तहसीलदार पिंकी आर्य, कार्यदाई संस्था लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता लक्ष्मण सिंह सामंत, ईओ टनकपुर ऋषभ उनियाल, जेई विजेंद्र पोखरिया, जेई तनुजा शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

1 करोड़ 66 लाख 86 हजार रूपये की लागत से होगा 1.450 किलोमीटर मोटर मार्ग का सुधारीकरण, क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर आवागमन सुविधा'



द पब्लिक मैटर ब्यूरो

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जनपद चम्पावत में सड़क संपर्क एवं आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री घोषणा संख्या 209/2026 के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के बूढ़ाखेत–अमकड़िया मोटर मार्ग के सुधारीकरण हेतु 1 करोड़ 66 लाख 86 हजार रूपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उत्तराखण्ड शासन के लोक निर्माण अनुभाग–2 को जारी शासनादेश के अनुसार, राज्य योजना के अंतर्गत 1. 450 किलोमीटर लंबे मोटर मार्ग का सुधारीकरण किया जाएगा। इस कार्य के लिए कुल 166.86 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 में प्रारंभिक व्यय हेतु 10 हजार रूपये की धनराशि भी स्वीकृत की गई है।

मोटर मार्ग के सुधारीकरण से क्षेत्र में सड़क सुविधाओं को मजबूती मिलेगी तथा स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी। बेहतर सड़क संपर्क से क्षेत्रवासियों को दैनिक आवागमन के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में सहूलियत मिलेगी।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा किमुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जनपद के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क सुविध ाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत मोटर मार्ग के सुधारीकरण से स्थानीय जनता को लाभ मिलेगा। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को शासनादेश में निर्धारित प्रावधानों का अनुपालन करते हुए आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

टनकपुर गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कमरों एवं हॉल का होगा निर्माण, 1.72 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित होंगी सुविधाएं'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में 'आदर्श चम्पावत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में जनपद में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। इसी क्रम में अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में विकास संबंधी निर्माण कार्य योजना के अंतर्गत टनकपुर गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं एवं आमजन की सुविधा हेतु कमरों एवं हॉल के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। योजना के अंतर्गत टनकपुर गुरुद्वारे में कमरों एवं हॉल के निर्माण हेतु 1 करोड़ 72 लाख 11 हजार रुपये की अनुमानित लागत निर्धारित की गई है। निर्माण कार्य के लिए विभागीय तकनीकी सलाहकार समिति (टी.ए.सी.) के परीक्षण के उपरांत 1 करोड़ 44 लाख 63 हजार रुपये के आगणन को स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य से गुरुद्वारे में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। साथ ही धार्मिक आयोजनों, सामाजिक कार्यक्रमों एवं सामुदायिक गतिविधियों के संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। इससे स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को भी लाभ मिलेगा।

. मुख्यमंत्री के 'आदर्श चम्पावत' के संकल्प के अनुरूप जनपद में सभी वर्गों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, पेयजल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ ही धार्मिक एवं सामाजिक स्थलों पर आवश्यक सुविधाओं के विस्तार को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

टनकपुर गुरुद्वारे में प्रस्तावित यह निर्माण कार्य इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधाएं मिलने के साथ ही क्षेत्र में सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित हो सकेंगी।



मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण पहल, चम्पावत में 56.29 करोड़ रूपये की लागत से विकसित होगा भव्य श्री गोल्ज्यू देवता कॉरिडोर'

'धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को मिलेगा नया आयाम, श्रद्धालुओं के लिए विकसित होंगी बेहतर सुविधाएं'

द पब्लिक मैटर ब्यूरो

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जनपद चम्पावत को धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत चम्पावत मुख्यालय स्थित श्री गोल्ज्यू देवता मंदिर के समीप 56 करोड़ 29 लाख 24 हजार रूपये की लागत से भव्य श्री गोल्ज्यू देवता कॉरिडोर के निर्माण को शासन द्वारा प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। पर्यटन विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार श्री गोल्ज्यू देवता मंदिर के समीप लोक निर्माण विभाग एवं पशुपालन विभाग की भूमि पर पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए कुल 5629.24 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रथम किश्त के रूप में 1125.848 लाख रूपये (लगभग 11.26 करोड़ रूपये) की धनराशि स्वीकृत की गई है। परियोजना की कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग होगी।



गोल्ज्यू देवता कॉरिडोर के निर्माण से चम्पावत की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहचान को नई मजबूती मिलेगी। गोल्ज्यू देवता उत्तराखण्ड की लोक आस्था एवं न्याय के देवता के रूप में पूजनीय हैं। कॉरिडोर के विकसित होने से मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय व्यापार, रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होने की भी संभावनाएं बढ़ेंगी।

. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन के अनुरूप चम्पावत को आदर्श जनपद बनाने के साथ ही यहां की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और संवर्धित करने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। श्री गोल्ज्यू देवता कॉरिडोर का निर्माण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना से जनपद में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलने के साथ ही चम्पावत की पहचान एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में और अधिक सुदृढ़ होगी।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि गोल्ज्यू देवता कॉरिडोर का निर्माण जनपद के पर्यटन विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ स्थानीय जनता एवं श्रद्धालुओं को मिल सके।

शासन द्वारा जारी आदेश में निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने, तकनीकी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही परियोजना की मासिक प्रगति आख्या शासन को उपलब्ध कराने एवं स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार उपयोग सुनिश्चित करने को कहा गया है।

द पब्लिक मैटर

स्वामी, प्रकाशक जीवन सिंह द्वारा मुद्रक योगेश कुमार, विशाल दर्पण प्रेस 50/51, नारी शिल्प मदिंर मार्ग, चकराता रोड देहरादून, उत्तराखंड -248001 से मुद्रित तथा मकान नंबर 93, जिला पंचायत गेट, पिथौरागढ़ रोड, कर्नाटक अस्पताल के पास, चंपावत, उत्तराखंड - 262523 से प्रकाशित। PRGI No.UAHIN/26/A5401

संपादक : जीवन सिंह -7500344495/ Email: jeewanbisht888@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी है। समस्त विवाद चंपावत न्यायालय के अधीन होंगे।

"इस प्रकाशन की सामग्री के संबंध में समस्त उत्तरदायित्व प्रकाशक एवं संपादक का होगा। प्रिंटिंग प्रेस केवल मुद्रण सेवा प्रदाता है।"